

विषय - राजनीतिशास्त्र (सोवियतसमाजवाद के ज, शाखा)
वर्ग - बी.ए.पार्ट-02 (प्रतिपत्र), सत्र-2019-20
पेपर - 04

अध्याय - 01

दिनांक - 19.05.2020

टॉपिक - अंतर्राष्ट्रीय राजनीति - अर्थ और परिम

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति राज्यों के मध्य
परिष्कारशील अपने-अपने राष्ट्रीय हित को
प्राप्त करने की एक लतत प्रक्रिया है। इस
हित की प्राप्ति के लिये शक्ति के साथ-साथ
अन्य साधनों का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप
से प्रयोग होता है। इसके अंतर्गत राष्ट्रीय
हित, संघर्ष एवं शक्ति तीन महत्वपूर्ण तत्त्व
होते हैं। राष्ट्रीय हित अंतर्राष्ट्रीय राजनीति
का लक्ष्य है संघर्ष उसकी प्रकृति है तथा शक्ति
उसका साधन है। अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में
संघर्ष एवं सहयोग दोनों समीचीन हैं।

आपकी सुरक्षा के लिये संगठन बनते हैं और
शत्रुओं की रक्षा के लिये ली जाया करते हैं।

परीण, पारसापेक्ष, विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय एवं
राष्ट्रीय क्षेत्रों में एवं ली जाया करने
उदाहरण हैं। इस प्रकार अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में विवाद
ली जा सामान्यते इसे गतिशीलता प्रदान करते हैं।

इस प्रकार यह ब्रिटीश एवं संघर्ष पूर्ण संबंधों
का अध्ययन है तथा विवादों के समाधान एवं
सहयोग की भावना से संबंधित है।

परिभाषा - अंतर्राष्ट्रीय राजनीति को स्पष्ट करते हुए विभिन्न विद्वानों ने इसकी परिभाषा कुछ निम्न प्रकार से दी है -

स्प्राउट के अनुसार, 'राज्यों के अपने-अपने उद्देश्यों अथवा हितों के आपसी विरोध-प्रतिरोध या संघर्ष से उत्पन्न उनकी क्रिया-प्रतिक्रियाओं और संबंधों का अध्ययन ही अंतर्राष्ट्रीय राजनीति है।'

च। व्ही. ब्लाइयर के अनुसार, 'राज्यों के सभी अंतर्राष्ट्रीय संबंध अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में शामिल हैं।'

जामसन चाम्पसन के शब्दों में, 'राष्ट्रों के बीच क्षीपी प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ उनके पारस्परिक संबंधों को सुधारने या बिगाड़ने वाली परिस्थितियों और संस्थाओं का अध्ययन अंतर्राष्ट्रीय राजनीति है।'

फैलिक्स ग्रास के अनुसार, 'अंतर्राष्ट्रीय राजनीति का अध्ययन वास्तव में विदेशनीतियों के अध्ययन के अतिरिक्त कुछ नहीं है।'

मॉरगोन्थाऊ के मत से, 'अंतर्राष्ट्रीय राजनीति राष्ट्रों के बीच निरंतर होने वाले शक्ति संघर्ष के अतिरिक्त कुछ नहीं है।'

जामर और पर्किन्स के अनुसार, 'अंतर्राष्ट्रीय राजनीति का अध्ययन राज्य-प्रणाली के साथ अनिवार्य रूप से जुड़ा हुआ है।'

इस प्रकार अंतर्राष्ट्रीय राजनीति वैश्व शांति के अध्ययन के साथ-साथ राष्ट्रों के पारस्परिक स्वार्थों एवं हितों को प्राप्त करने का अध्ययन है साथ ही इसमें विचारणा अंतर्राष्ट्रीयता, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के विकास, शक्ति संघर्ष का अध्ययन है।